

सुरेश प्रभु
SURESH PRABHU



मंत्री
वाणिज्य एवं उद्योग;
एवं
नागर विमानन मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली
MINISTER
COMMERCE & INDUSTRY:
and
CIVIL AVIATION
GOVERNMENT OF INDIA, NEW DELHI

सं. ई-11019/1/2018-राजभाषा-ना. वि./135396-F

6 सितंबर, 2018

हिन्दी दिवस संदेश


हम सब जानते हैं कि संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। इसका प्रमुख कारण था कि हिन्दी भाषा भारत के एक बड़े जनसमुदाय द्वारा बोली एवं समझी जाती है। हिन्दी एक अत्यंत सरल, समृद्ध एवं सशक्त भाषा है और भारत की राष्ट्रीय, सांस्कृतिक एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है। भारत के कोने-कोने में इसे समझने और बोलने वाले हैं, चाहे वे दक्षिण भारत के लोग हों या पूर्वोत्तर के, हिन्दी सभी को एकसूत्र में बांधे रखने का कार्य करती है।

आज हिन्दी नवीन तेज और ऊर्जा लेकर संसार के रंगमंच पर छा रही है। इसमें शांति और सौमनस्य की सुगंध है और मनुष्य मात्र के प्रति सौहार्द का स्वर है। केवल हिन्दी ही नहीं भारत की सभी भाषाओं में यह गुण पाया जाता है। अब समय आ गया है कि हम निज शासन, निज ध्वज, निज संविधान के साथ-साथ निज भाषा के महत्व को समझें और अपना सभी सरकारी कामकाज हिन्दी में करते हुए राष्ट्र का गौरव बढ़ाने के लिए अपने हिस्से का प्रयास अवश्य करें।

मुझे प्रसन्नता है कि नागर विमानन मंत्रालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 14 सितंबर से 28 सितंबर तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मंत्रालय के सभी कार्मिकों से मेरा आग्रह है कि इन प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर हिन्दी पखवाड़े के आयोजन को सफल बनाएं।

हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं।

जय हिंद।


(सुरेश प्रभु)